भागीरथी बाल शिक्षा सदन सै० स्कूल

विषय - संस्कृत

कक्षा - VIII

पाठ - 2 लङ्लकारः (प्रथमः पुरुषः)

संस्कृत में भूतकाल को 'लङ् लकार' कहते हैं। लङ् लकार के धातु रूप बनाते समय धातु से पहले 'अ' लगाया जाता है और धातु के बाद प्रथम पुरुष में लङ् लकार के प्रत्यय 'त्, ताम्, अन्' लगाए जाते हैं।

धातुः 'खाद्' (खाना)

एकवचन

अ + खाद् + अ + त् = अखादत्

(उसने खाया)

द्विवचन

अ + खाद् + अ + ताम् = अखादताम्

(उन दोनों ने खाया)

बहुवचन

अ + खाद् + अ + अन् = अखादन्

(उन सबने खाया)

लङ् लकार प्रथम पुरुष के उदाहरण वाक्य -

1. मृगः तीव्रम् अधावत्। = हिरन तेज दौड़ा।
2. बालकौ दुग्धम् अपिबताम्। = दो बालकों ने दूध पिया।
3. छात्राः लेखम् अलिखन्। = अनेक छात्रों ने लेख को लिखा।
4. रामः दशरथस्य ज्येष्ठः पुत्रः आसीत्। = राम दशरथ का बड़ा पुत्र था।

ऊपर समझाया गया सभी छात्र इसे कापी में लिखें।

1. शब्दार्थ भी कापी में करें।

1. अधावत् = वह भागा/दौड़ा
2. अपिबताम् = दो ने पिया
3. अलिखन् = अनेक ने लिखा
4. अनृत्याम् = दो ने नृत्य किया
5. आगच्छत् = वह आया
6. परस्परम् = आपस में

Scanned with CamScanner